रात्रि–क्लास 23–2–68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

मुरली पढ़नी जरूर है। फिर तो ऐसी मुरली वा स्टडी 5000 वर्ष बाद होंगी। इसलिए गफ्लत न करनी चाहिए। चीदे2 अच्छे–2 पाईन्ट नोट जरूर करनी चाहिए। फिर रिवाईज़ करना चाहिए। बाप अच्छी–2 गुह्य बातें सुनाते हैं ना। वह रखनी चाहिए तो किसको समझाने के काम में भी आवे। यह तो बाप ने समझाया है । बुलाते हैं कि हे पतित–पावन आओ, गाईड आओ। किसको कहते हैं? शरीरधारी गाईड तो जिसमानी यात्राएं कराते हैं। जरूर और कोई रूहानी गाईड मांगते हैं। देहधारी तो गाईड बहुत हैं। मनुष्य बिचारे भक्ति में है। ज्ञान तो है नहीं। वह है ज्ञान का सद्गति का पहड़ा। यह है भक्ति दुर्गति का पहड़ा। दुर्गति है तो सदगति नहीं। सदगति है तो दुर्गति नहीं। वास्ट डिफ्रेन्स है। इसलिए पूछा भी जाता है इस समय कलियुग के वासी हो या सतयुग के वासी हो? विजीटिंग रूम में भी लिटरेचर आद(आदि) रखना चाहिए। देखना चाहिए अच्छा–2 लिटरेचर रखा है जो कोई भी आकर पढ़े? दो टेबुल सजी हुई होनी चाहिए। वृद्धि तो होती जावेंगी। फिर बेन्ट भी रखना पड़ेगा। कोशिश कर 5–7 से इकट्ठी बात करनी नहीं चाहिए। संग में दूसरे की बुद्धि भी खराब हो जाती है। तुम बच्चों की बुद्धि में यह तो है चढ़ती कला और उतरती कला। सीढ़ी तुम्हारी बुद्धि में जमी रहनी चाहिए। सारी नालेज ही सीढ़ी में है। उतरे और चढ़ते हैं। जिन की कहानी भी है ना। तुम भी जिन हो। उतरना और चढ़ना होता ही रहता है। कब अन्त नहीं होता। तुम्हारे पार्ट ही ऐसे हैं। तुम कहेंगे इस समय हम है रूहानी जिन। तुमको बहुत खुशी है। तुम आस्तिक भी बने हो और रचता और रचना के आदि मध्य अन्त को भी जाना है। यह नालेज देने वाला भी ऊंच ते ऊंच है। पाईन्ट्स तो बहुत दी जाती है। अभी तुम जानते हो हम रावण राज्य से विदाई लेते हैं। जीत तो सर्टन है ना। खाते–पीते, चलते–फिरते सिर्फ जिन वाली सीढ़ी को याद करो। यह खेल बाप ही बैठ समझाते हैं। तो खुशी होती है। अभी हमारा चढ़ाई का पार्ट है। फिर उतराई होंगा।शान्तिधाम से टाकी में आना पड़ता है।आत्मा जैसे कि जिन है। उतराई और चढ़ाई आत्मा ही करती है ना। यह वंडरफुल खेल है ना। तुम जानते हो लाँग–लाँग टाईम एगो यह नई दुनिया थी। राज्य करते थे। फिर राजाई कैसे गवांई ,फिर कैसे लिया।यह कहानी है ना नर से नारायण बनने की।यह भी अभी तुम जानते हो। आगे तो झूठी कथाएं सुनते थे। आधा कल्प झूठी गीता आद(आदि) सुनते–सुनते गिरते आये हैं। अभी सारी दुनियासे तुमको वैराग्य है। तो उसी ही अपनी सर्विस में बिजी रहना चाहिए। अच्छा ,मीठे2 बच्चों को बाप व दादा का यादप्यार गुडनाइट।